# वैश्विक चुनौतियों के समाधान को जुटे शोधकर्ता और विशेषज्ञ

## यूपीईएस में इंजीनियरिंग और पर्यावरणीय सततता के लिए गणितीय विज्ञानों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

देहरादून, 11 जून (नवोदय टाइम्स) : तेजी से हो रहे तकनीकी विकास और बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों के इस युग में गणितीय विज्ञानों का महत्व पहले से कहीं अधिक स्पष्ट हो गया है। यूपीईएस ने अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए अनुसंधान राष्ट्रीय फाउंडेशन (एएनआरएफ) और उत्तराखंड राज्य परिषद विज्ञान और प्रौद्योगिकी (यूकोस्ट) के सहयोग से इंजीनियरिंग और पर्यावरणीय सततता में उभरते अनुप्रयोगों के लिए गणितीय विज्ञान (आईसीएमएस 2025) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

इस सम्मेलन में दुनिया भर के 250 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिसमें छात्र, शोधकर्ता और पेशेवर शामिल थे। इसका उद्देश्य गणितीय विज्ञानों के माध्यम से महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों का समाधान ढूंढना था। सम्मेलन का मुख्य ध्यान जलवायु परिवर्तन, आपदा भविष्यवाणी, जल संसाधन प्रबंधन और सतत ऊर्जा जैसे वैश्विक मुद्दों को हल करने के लिए गणितीय उपकरणों के अनुप्रयोग पर था, खासकर हिमालयी क्षेत्र में।

सम्मेलन का उद्घाटन प्रमुख अतिथियों द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. वीरेंद्र एम. तिवारी, निदेशक और जेसी बोस राष्ट्रीय साथी, सीएसआईआर-एनईआईएसटी, जोहांट और डॉ. वीनीत के. गहलौत, निदेशक, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, देहरादून मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज, पोलैंड से प्रो. तादेउस्ज चाचोर्स्की सम्मानित अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस आयोजन में कई प्रमुख वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों ने गणितीय अनुप्रयोगों पर अपने महत्वपूर्ण शोध प्रस्तुत किए।

सम्मेलन में 200 से अधिक सारांश प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 107 को मौखिक प्रस्तुतियों के लिए चुना गया। इन शोध पत्रों को प्रतिष्ठित एससीआई और स्कोपस सूचीबद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जाएगा, जिससे योगदानकर्ताओं को महत्वपूर्ण पहचान और प्रभाव मिलेगा।यूपीईएस के उपकुलपति, डॉ. राम शर्मा ने इस कार्यक्रम के महत्व पर विचार व्यक्त किए।

आईसीएमएस 2025 सम्मेलन गणितीय विज्ञानों में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। यह आवश्यक है कि हम पर्यावरणीय और इंजीनियरिंग चुनौतियों के समाधान के लिए अंतरविभागीय दृष्टिकोण अपनाएं।

यूपीईएस सभी शोधकर्ताओं, पेशेवरों और छात्रों का आभार व्यक्त करता है जिन्होंने इस ज्ञानवर्धक मंच में भाग लिया और आईसीएमएस 2025 को एक बड़ी सफलता बनाने में योगदान दिया।